

ललितोपमा स्त्री. (तत्.) काव्य. उपमा अलंकार का एक उपभेद जहाँ उपमेय-उपमान में सादृश्य वाचक शब्दों का प्रयोग न होकर ईर्ष्या, निरादर, बराबरी आदि के सूचक पद रखे जाएँ।

ललिया पुं. (देश.) लाल रंग वाला बैल।

लली स्त्री. (देश.) 1. लड़कियों के लिए संबोधन का शब्द 2. दुलारी लड़की 3. पुत्री, बेटी 4. नायिका के लिए प्रेम व्यंजक संबोधन।

ललौहाँ वि. (देश.) 1. ललाई लिये हुए 2. रक्ताभ 3. लालिमायुक्त।

लल्लर वि. (देश.) हकलाने वाला।

लल्ला पुं. (देश.) 1. लड़कों के लिए प्यार का संबोधन 2. प्यारा दुलारा लड़का 3. लाल, लला।

लल्लो स्त्री. (देश.) जिह्वा, जीभ।

लल्लो-चप्पो स्त्री. (देश.) किसी को प्रसन्न करने के लिए कही जाने वाली चिकनी चुपड़ी बातें, चाटुकारिता, खुशामद, ठकुरसुहाती।

लल्लो-पत्तो स्त्री. (देश.) चिकनी चुपड़ी बात दे. लल्लो-चप्पो।

लल्हरा पुं. (देश.) एक तरह का पौधा जिसकी पत्तियों का साग बनता है।

लवंग पुं. (तत्.) लौंग, लौंग का वृक्ष।

लवंगलता स्त्री. (तत्.) 1. लौंग का पेड़ 2. राधिका की एक सखी 3. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में आठ जगण और एक लघु के योग से 25 वर्ण होते हैं।

लव पुं. (तत्.) 1. पके अन्न की कटाई 2. विभाग 3. खंड, टुकड़ा 4. अल्प मात्रा, थोड़ा अंश 5. काल का एक मान, 36 निमेष का समय 6. लता पक्षी 7. वह जो काटा जाय 8. ऊन 9. सुरा गाय की पूँछ के बाल 10. जायफल 11. राम के एक पुत्र का नाम।

लवक वि. (तत्.) काटने वाला पुं. एक विशेष द्रव्य।

लवका स्त्री. (देश.) 1. चमक 2. कौंध 3. बिजली।

लवण वि. (तत्.) 1. नमकीन 2. सुंदर 3. काटने वाला पुं. 1. नमक, लोन 2. काटने का औजार, हँसिया छुरी आदि 3. एक राक्षस।

लवणत्रय पुं. (तत्.) सेंधव, विट और साँचर नामक तीन नमकों का समुच्चय।

लवणपञ्चक पुं. (तत्.) आयु. सेंधा, संचर/काला, विट, समुद्री नमक और साँभर नामक पाँच प्रकार के नमकों का समूह।

लवणभास्कर पुं. (तत्.) तीनों नमक और कई औषधियों के योग से तैयार किया हुआ एक पाचक चूर्ण।

लवणमेह पुं. (तत्.) आयु. प्रमेह रोग का एक भेद जिसमें मूत्र के साथ लवण के समान स्राव होता है।

लवणयंत्र पुं. (तत्.) आयु. औषधियों का पाक बनाने हेतु एक प्रकार का विशेष पात्र।

लवण-वर्ष पुं. (तत्.) कुशद्वीप का एक खंड।

लवण-समुद्र पुं. (तत्.) खारे पानी का समुद्र।

लवणा स्त्री. (तत्.) 1. आभा, चमक 2. चंगेरी 3. अमलोनी नामक साग 4. ज्योतिष्मती लता 5. लूनी नदी।

लवणाकर पुं. (तत्.) 1. नमक की खान 2. समुद्र 3. सौंदर्य का आगार।

लवणाचल पुं. (तत्.) दान देने के लिए कल्पित नमक का ऊँचा पहाड़ जैसा ढेर (मत्स्य पुराण)।

लवणाब्धि पुं. (तत्.) खारा समुद्र।

लवणार्णव (तत्.) 1. लवण समुद्र 2. समुद्र।

लवणालय पुं. (तत्.) 1. समुद्र 2. मधुपरी (लवणासुर की बसायी पुरी), मथुरा का प्राचीन नाम।

लवणासुर पुं. (तत्.) एक राक्षस जो मधु का पुत्र था तथा जिसका शत्रुघ्न ने वध किया था।

लवणित वि. (तत्.) नमक मिलाया हुआ।

लवणिमा स्त्री. (तत्.) 1. नमकीनी 2. सलोनापन 3. सौंदर्य।